वर्षों से राष्ट्र की सेवा में समर्पित

वीर अर्जुन

D.L.(C)-01/1270/09-11 www.virarjun.com | dailyvirarjun@gmail.com प्रभात संस्करण

2 वीर अर्जुन, नई दिल्ली, 12 अगस्त, 2010

राष्ट्रमंडल खेलों में गरीबी को छिपाना खोखलापन

नई दिल्ली, (भाषा)। एक गैरसरकारी संगठन ने राष्ट्रमंडल खेलों को राष्ट्रीय गर्व बताकर गरीबी को छिपाने को खोखलापन बताया है और आरोप लगाया कि गरीबों को छिपाकर दुनिया के सामने देश की असली तस्वीर पेश नहीं की जायेगी।

सामाजिक संस्था 'राबिन रैना फाउंडेशन' के राबिन रैना ने आज यहां आरोप लगाया, पूरी दुनिया भारतीयों को बेहतर तरीके से जानती है और राष्ट्रमंडल खेलों में देश के गर्व के नाम पर गरीबी को छिपाना खोखलापन लगता है, जिस पर मुझे शर्म आती है। अपने देशवासियों की इज्जत करने से राष्ट्रीय गर्व आता है। उन्होंने बताया, दक्षिण अफ्रीका में सफल फुटबाल विश्व कप के दौरान विदेशियों को दुनिया के सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती 'सोनहो' दिखाने के लिए खास तौर से ले जाया गया था ताकि विकसित दुनिया एक और तस्वीर से रूबरू हो सके। इसी प्रकार राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान हमें अपनी वास्तविकता को छिपाने के बजाय उसे दुनिया के सामने रखना चाहिए। इस संस्था ने राष्ट्रमंडल खेलों के लिए विस्थापित करके बवाना में बसाये गये लोगों में से 432 को मुफ्त में मकान बनाकर दिए हैं। इस प्रकार अब तक झुग्गी बस्तियों में रहने वाले कुल 1157 लोगों को मकान बनाकर दिए जा चुके हैं। इस संस्था का दावा किया है कि वह छह हजार लोगों को मुफ्त मकान देगी।